अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029

फा.सं.20-1/2010 (मु.प्र.अ.)-स्था-। दिनांक: 19 SEP 2014

अपील

प्रिय साथियों,

जैसा कि हम सभी को यह दुःखद ज्ञात हुआ है कि जम्मू एवं कश्मीर राज्य में मूसलाधार वर्षा के कारण चिनाब तथा झेलम नदियों में भीषण बाढ़ आ गई है। इस बाढ़ से पूरा राज्य तबाह हो गया है तथा वहां के निवासी बेघर हो गए हैं। इन नदियों में बाढ़ इतनी उग्र थी कि उसने न केवल निवासियों एवं उनके घरों को बहा दिया बल्कि देश के भौगोलिक नक्शे से कई गांवों का नामोनिशान भी मिटा दिया तथा जल प्रवाह इतना प्रचण्ड था कि इसने अपने रास्ते में आने वाले मार्गों, पुलों, संचार-माध्यमों, अन्य परिवहन साधनों, कई गांवों, स्थानीय लोगों, सारे देश से आने वाले पर्यटकों, वाहनों, पशुधन इत्यादि को बहा दिया और यहां तक कि माता वैष्णों देवी तीर्थस्थल की यात्रा भी रोक देनी पड़ी। बाढ़ की गति इतनी तीव्र थी कि इसने लोगों के घरों का अपने पीछे कोई भी नामो-निशान नहीं छोड़ा और पूरा राज्य जलमग्न हो गया और सैकड़ों लोगों की मृत्यु हो गई। बाढ़ का जलप्रवाह इतना भयंकर था कि पूरे राज्य में लोगों के पास जो कुछ भी सम्पत्ति थी, उसको तथा कई लोगों ने अपने प्रियजनों को भी इसमें खो दिया।

भगवान की कृपा से उत्तरजीवी लोग असहाय थे और बाढ़ क्षेत्रों में कई दिनों के लिए उन्हें भोजन, पानी तथा बिना वस्त्रों एवं आश्रय (शेल्टर) के रहने को बाध्य थे। प्रकृति के इस कहर से 'पृथ्वी का स्वर्ग' एक नारकीय राज्य में बदल गया है और इस क्षेत्र के जीवित बचे लोग मूलभूत आवश्यक वस्तुएं जैसे भोजन, पीने का पानी, दवाएं, कपड़े रहने के लिए आश्रय इत्यादि के भारी अभाव का सामना कर रहे हैं। यह क्षति न केवल उन लोगों के लिए है बल्कि पूरे देश के लिए भी है।

प्राकृतिक आपदा की इस हृदय विदारक एवं महान अग्नि-परीक्षा की घटना की घड़ी में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कार्मिकों के साथ हमारे सशस्त्र बल के तीनों अंगों ने राज्य के बचाव अभियान हेतु सराहनीय एवं असाधारण कार्य शुरू किया, वही दूसरी ओर यह विकट आपदा हमें हमारी प्रतिबद्धता एवं नैतिक कर्तव्य को याद दिलाती है और पिछली ऐसी आपदाओं की तरह एक बार फिर से उन देशवासियों के प्रति भाईचारा दिखाने का एक अवसर प्रदान करती है, जिन्होंने इस आपदा में अपने प्रियजनों, संपति, पशुधन, जायदाद, घरों आदि को खो दिया है और ऐसे लोगों के लिए एक नए जीवन को फिर से आरंभ करने तथा धरती के स्वर्ग को एक नया जीवन देने का एक अवसर प्रदान किया है।

जम्मू एवं कश्मीर में बाढ़ से पीडित लोगों द्वारा झेली जा रही विपत्ति तथा दुर्दशा को ध्यान में रखते हुए मेरा आप सभी से अनुरोध है कि आप जितना हो सके स्वैच्छिक रूप से उदारतापूर्वक दान करने का निर्णय लें तथा राज्य के बाढ़ पीडितों की सहायता के लिए अंशदान के रूप में कम-से-कम एक दिन के सकल वेतन का सहयोग अवश्य करें। जो सदस्य वेतन के द्वारा सहयोग करने के इच्छुक नहीं हैं, उनसे अनुरोध है कि वे दिनांक 22.09.2014 तक संबंधित लेखा अनुभाग में वेतन न काटने संबंधी अनुरोध लिख कर दे दें। यदि निर्धारित तारीख तक इस तरह का कोई अनुरोध प्राप्त नहीं होता है, तो यह मान लिया जाएगा कि सभी संकाय सदस्य, अधिकारी तथा स्टाफ ने अपने एक दिन के सकल वेतन की कटौती की सहमति दे दी है।

संकायाध्यक्ष, चिकित्सा अधीक्षक, सभी केन्द्रों के प्रमुख, सभी विभागों/एककों/अनुभागों के अध्यक्षगण तथा सभी शाखा अधिकारियों से अनुरोध है कि वह इस अपील को अपने प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्यरत सभी संकाय-सदस्यों, अधिकारियों, स्टाफ (तदर्थ/अस्थायी/दैनिक वेतन भोगी इत्यादि सहित) इत्यादि की जानकारी में ला दें तथा इसे व्यापक प्रचार-प्रसार देते हुए उन्हें इस महान कार्य के लिए उदारतापूर्वक सहयोग करने हेतु प्रोत्साहित करें।

ह./-

(एम.सी. मिश्र)

निदेशक

__वितरण:-__

1. संकायाध्यक्ष (शैक्षिक/अनुसंधान)।
2. चिकित्सा अधीक्षक (मुख्य अस्पताल/डॉ. रा.प्र. केन्द्र)।
3. सभी केन्द्र-प्रमुख/विभाग/एकक/अनुभाग-अध्यक्षगण।
4. उप-संकायाध्यक्ष (शैक्षिक/अनुसंधान/परीक्षा)।
5. मुख्य प्रापण अधिकारी/मुख्य प्रशासन अधिकारी/वित्त सलाहकार/कुल-सचिव।
6. अध्यक्ष फेम्स/ऑफिसर्स एसोसिएशन/कर्मचारी यूनियन/नर्स यूनियन/आर.डी.ए./एस.यू./एस.वाई.एस.।
7. लेखा अनुभाग-।।/।।।/डॉ.रा.प्र.केन्द्र/डॉ.बी.आर.ए.सं.रो.कैं.अ./सी.एन.सी./जे.पी.एन.ए.टी.सी/एन.डी.डी.टी.सी./सी.डी.ई.आर।

[illegible] वित्त सलाहकार महोदय के निजी सचिव।